Research Paper

E-ISSN NO : 2455-295X | IMPACT FACTOR VALUE : 5.983
VOLUME : 11 | ISSUE : 1 | SPECIAL ISSUE JANUARY-2025

महिला एवं बाल कल्याण: भारत एवं ग्लोबल साउथ के देशों में प्रयास

मनीषा

सहायक आचार्य (गृह विज्ञान), राजकीय कन्या महाविद्यालय, पदमपुर, श्रीगंगानगर (राजस्थान).

ABSTRACT:

भारत व ग्लोबल साउथ में अधिकांश जनसंख्या निवास करती है | जिनमें महिलाओं तथा बालकों की दशा अत्यंत ही दयनीय है | यहां महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर, आर्थिक स्तर, सामाजिक स्तर, पोषण स्तर बहुत ही दयनीय स्थिति में है | बालको तथा महिलाओं के कल्याण हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अथक प्रयास किए गए हैं | प्रसार शिक्षा के माध्यम से भी महिलाओं एवं बालकों के कल्याण के महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं | राष्ट्र एवं समाज सुधार को ने महिला एवं बालकों के कल्याण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है | राष्ट्रीय संस्थानों ने भारत के बालको एवं महिलाओं के जीवन स्तर में विकास को गति प्रदान की है | अंतरराष्ट्रीय संस्था भी भारत के साथ-साथ ग्लोबल साउथ के देशों के महिला तथा बालकों के कल्याण हेतु कार्य कर रही है | यूनिसेफ पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में कुपोषण के सभी रूपों को संबोधित करने के लिए काम करता है एवं रोकथाम हेतु प्रयास करता है | इंडोनेशिया में भी कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, बाल विवाह पर रोक, बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा आदि प्रयास किया जा रहे हैं |

KEYWORDS:

महिला, बाल कल्याण, भारत, ग्लोबल साउथ देश, प्रयास |

प्रस्तावना

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का अग्रणी स्थान होता है | हमारे देश में ही नहीं अपितु विश्व के अन्य देशों जैसे ग्लोबल साउथ के देशों में महिलाओं एवं बालकों की जीवन शैली दयनीय स्थिति में है | अतः राष्ट्र का विकास करने के लिए सर्वप्रथम हमें महिलाओं और बालकों का विकास करना होगा राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई परिवार की मेरुदंड महिलाए ही होती है | परिवार सामाजिक जीवन की सर्वोत्तम पाठशाला है इसलिए महिलाओं के विकास के बगैर समाज का विकास संभव नहीं है और समाज के विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव है | राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है एवं दक्षिणी विश्व के देशों में भी बालको एवं महिला के कल्याण हेतु अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्था प्रयासरत है इंडोनेशिया, अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, चीन, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन आदि देशों में महिला एवं बाल कल्याण हेतु प्रयास किया जा रहे हैं |

उद्देश्य

1. अध्ययन का उद्देश्य महिला एवं बाल कल्याण हेतु राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष कर ग्लोबल साउथ के देशों में किये जा रहे प्रयासों का ज्ञान प्राप्त करना |
2. इंडोनेशिया, अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, चीन, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन आदि देशों में बालको व महिलाओं की स्थिति का ज्ञान प्राप्त करना |

विषय-वस्तु

भारत व ग्लोबल साउथ के देशों में महिला एवं बालको की उन्नति विकास कल्याण योजनाओं का केंद्र बिंदु रही है | यही कारण है कि भारतवर्ष एवं वैश्विक दक्षिण में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार कल्याण, श्रम आदि से संबंधित नीतियों का निर्धारण किया गया है तथा इससे संबंधित कार्यक्रम संचालित किए गए | महिलाऔ एवं बालकों के विकास एवं कल्याण के संबंध में केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं अपितु अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी विचार किया गया है और इस संबंध में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन किया गया है | राष्ट्रीय स्तर पर इंदिरा महिला योजना, बालिका अधिकारिता परियोजना, बालिका समृद्धि योजना, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम, किशोर बालिका स्कीम, विश्व खाद्य कार्यक्रम एवं योजना महिलाओं के रोजगार एवं प्रशिक्षण सहरोजगार समर्थन कार्यक्रम आदि| इनके साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं ग्लोबल साउथ के देशो के बालकों व महिलाओं के कल्याण हेतु कार्यरत है |

ग्लोबल साउथ के देशों जैसे अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, इंडोनेशिया आदि देशों में महिलाओं का जीवन स्तर, पोषण स्तर, शिक्षा स्तर व सामाजिक स्तर बहुत ही दयनीय स्थिति में है |

भारत की महिलाओं एवं बच्चों ने देश के विकास का लंबा सफर अनुभव किया है | भारत तथा ग्लोबल साउथ के देशों में शिशुवती और गर्भवती महिला को पूरक पोषाहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, स्वास्थ्य संबंधित शिक्षा आदि उपलब्ध कराने पर जोर दिया है ताकि जन्म लेने वाले बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध ना हो तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कुपोषण तथा अन्य बीमारियों से बचाया जा सके |

ग्लोबल साउथ के देशों में इंडोनेशिया की महिला और बाल कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है इंडोनेशिया ने पिछले दो दशको में लैंगिक अंतर को कम करने में सफलता हासिल की है | इंडोनेशिया दुनिया में चौथा सबसे बड़ा बाल जनसंख्या वाला देश है | इसमें लगभग 89 मिलियन बच्चों की संख्या है |

अफ्रीका में बाल कल्याण से जुड़ी रिपोर्ट देने के लिए अफ्रीका बाल नीति फोरम एसिपिएफ एक परियोजना चलाता है | इस परियोजना का नाम **बाल कल्याण पर अफ्रीकी रिपोर्ट श्रृंखला** है | यह बच्चों के प्रति राज्य की जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए शुरू की गई है | यह संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन और बाल अधिकार और कल्याण पर अफ्रीकी चार्ट के सिद्धांतों और आदर्श को हासिल करने में मदद करती है |

लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में महिलाओं के लिए शिक्षा में लैंगिक समानता के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है | यूएनएफपीए और यूनिसेफ एक क्षेत्रीय कार्यक्रम चला रहे हैं | जिसका उद्देश्य लैटिन अमेरिका व कैरेबियन में बाल विवाह और कम उम्र मैं विवाह को रोकना, मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए क्षेत्रीय कार्य बल (जीटीआर) बनाया गया है |

गृह विज्ञान में मातृ कल्याण और शिशु कल्याण के लिए बहुत प्रयास किया गया है | महिलाओं के कल्याण हेतु प्रसार शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा, सूचना, आत्म विकास, व्यव्सयिक कौशल, रोजगार और आय अर्जन के अवसर आदि उपलब्ध करवाए गए हैं | महिला एवं बालकों के खिलाफ हिंसा, घरेलू हिंसा हो या सामाजिक स्तर पर गृह विज्ञान शिक्षा द्वारा समाप्त की जा सकती है | गृह विज्ञान शिक्षा महिलाओं और बालकों के स्वास्थ्य के प्रति सामग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है | जीवन भर की जरूरतो पर विशेष ध्यान देता है | जिसमें शिशु अवस्था, बाल अवस्था, किशोरावस्था, प्रजनन अवधि और वृद्धावस्था के दौरान पोषण और बुनियादी सेवा शामिल है | यह महिलाऔ और बालिकाओं को अपने निजी जीवन, परिवार और अन्य सामाजिक मामलों के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के सक्षम बनाता है | गृह विज्ञान शिक्षा महिलाऔ और लड़कियों के लिए शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करती है | गृह विज्ञान महिलाओं में कौशलों का विकास करता है एवं प्रसार शिक्षा के माध्यम से जागरूक कर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाता है जिससे महिलाओं का कल्याण एवं विकास हो |

महिला एवं बाल कल्याण हेतु राष्टीय संस्थाओ का भारतीय स्तर पर योगदान

भारतीय शिशु कल्याण समिति (I.C.C.W.):- इस समिति की स्थापना सन् 1952 में हुई थी। इसका मुख्य उदेश्य भारत का सर्वांगीण विकास (शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक चारित्रिक, आध्यात्मिक) के लिए कल्याणकारी योजनाएँ बनाकर व क्रियान्वयन करके संदैव बच्चों के कल्याण के लिए प्रत्यनशील रहना | यह संस्था अंतराष्ट्रीय बाल कल्याण संघ से सम्बनिधित है।

केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (C.S.W.B.):- इसकी स्थापना भारत सरकार के द्वारा अगस्त 1953 में हुई थी । यह एक अर्द्ध-सरकारी स्वायतशासी संस्था है, जिसका संचालन एवं नियंत्रण केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन होता है। इस संस्था का मुख्य उदेश्य समाज कल्याण कार्यक्रमों को संचालन करने और उच्चतम बनाने के लिए प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, मार्गदर्शन, वितीय सहायता एवं अन्य प्रकार के सहयोग देना है।

केन्ट्रीय समाज कल्याण बोर्ड के कार्य-

1. शिवीर लगाना।
2. कल्याण विस्तार योजना।
3. प्रोढ महिलाओं हेतु प्रशिक्षाण।
4. शहरी महिलाओं हेतु कार्यकम ।
5. महिला मण्डल कार्यकम आयोजित करना।
6. कामकाजी महिलाओं के लिए होस्टल की व्यवस्था ।
7. अनुपूरक पोषण कार्यकम ।
8. एकीकृत परि-स्कूल परियोजना।
9. परीवारिक परामर्श केन्द्र की स्थापना।
10. पालना घर।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR):- भारत में एक शीर्ष संगठन है जो ग्रामीण युवक युवतियों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान करता है | यह उन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण देता है ताकि वह कृषि, पशु पालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन आदि को पूरी दक्षता तथा कुशलता से कर सके | इसकी स्थापना कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय के अंतर्गत की गई है |

राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद (NIN):- राष्ट्रीय पोषण संस्थान का मुख्य उद्देश्य पोषण संबंधी शोध करना, भोज्य पदार्थो के पोशाक मूल्य का विश्लेषण करना तथा उनके परिणामो को प्रकाशित करना | यह संस्थान **न्यूट्रिटिव वैल्यू ऑफ़ इंडियन फूड्स** नामक पुस्तक का प्रशासन भी करता है | राष्ट्रीय पोषण संस्थान के प्रमुख विभाग है |

1. रोग संबंधी पोषण
2. शिक्षा एवं प्रशिक्षण
3. जीवरसायन
4. आहार एवं पोषण विज्ञान

केंद्रीय आहार तकनीकी अनुसंधान परिषद (CFTRI):- इसकी स्थापना सन 1950 में मैसूर में हुई | यह संस्थान विभिन्न पदार्थ जैसे अनाज, दालो, फलो, सब्जियो आदि को लंबे काल तक सुरक्षित रखने के लिए शोध करता है | बालको के पोषण के लिए पूरक आहार इस परिषद ने तैयार किए है | जिनमें प्रमुख है

1. **बाल आहार :-** इस आहार में गेहूं का आटा 70 भाग, मूंगफली का आटा 20 भाग, भुने चने का आटा 10 भाग तथा विटामिन एवं कैल्शियम मिला होता है इससे 20% प्रोटीन प्राप्त होता है |
2. **माल्टयुक्त भोज्य पदार्थ :-** इसमें अनाज का माल्ट 40 भाग, कम वसायुक्त, मूंगफली का आटा 40 भाग तथा भुने चने का आटा 20 भाग होता है | इसमें ऊपर से विटामिन तथा कैल्सियम भी मिलाया जाता है | इस आहार से 28 ग्राम प्रोटीन प्राप्त होता है |
3. **बहुउदेशीय आटा :-** इसमें 75 भाग मूंगफली की खाली तथा 25 भाग भुने चने के आटे को मिलकर मिश्रित तैयार किया जाता है फिर उसमें अलग से विटामिन ए.डी., थायमिन राइबोफ्लेमिन तथा कैल्शियम कार्बोनेट मिलाया जाता है | इसकी 25 ग्राम मात्रा से 10 ग्राम प्रोटीन तथा विटामिन ए कैल्शियम एवं राइबोफ्लेविन (दैनिक आवश्यकता की) की आधी मात्रा प्राप्त होती है |

महिला एवं बाल कल्याण हेतु अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का ग्लोबल साउथ देशो में योगदान

1. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO):- विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र संघ की एक ,विशेष एजेंसी है, जो मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय राष्ट्र स्वास्थ्य और जन राष्ट्रीय स्वास्थ्य की उन्नति के लिए प्रभावशाली योगदान देती है | इसकी स्थापना 7 अप्रैल 1948 मैं हुई | इसका उद्देश्य उच्चतम स्वास्थ्य की प्राप्ति है |

WHO अफ्रीका में स्वास्थ्य से जुड़ी कई कार्य करता है :-

- टीकाकरण पर रणनीतिक सलाह देने के लिए अफ्रीकी क्षेत्रिय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (RITAG) बनाया गया है |
- स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए WHO अफ्रीकी देशों को मदद करता है |
- WHO यूनिसेफ के साथ मिलकर निमोनिया और डायरिया से होने वाली बाल मृत्यु करने के लिए एकीकृत वैश्विक कार्य योजना बनाई गई है |

WHO इंडोनेशिया में स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने स्वास्थ्य क्षेत्र में समन्वय करने और सरकारो और विकास साझेदारों को तकनीकी सहायता देने का काम करता है | इंडोनेशिया में WHO के प्रतिनिधि डॉ. एन. पारानिथरन हे |

वैश्विक स्वास्थ्य संगठन की गतिविधियां:-

1. विशिष्ट रोगों का निरोध एवं नियंत्रण
2. पर्यावरणीय स्वास्थ्य
3. व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का विकास
4. मानव शक्ति का विकास
5. जेव चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य सेवाओं का अन्वेषण
6. स्वास्थ्य सूचनाओं एवं ज्ञानवर्धक पत्रिकाएं प्रकाशित करना
7. स्वास्थ्य सेवाओं का नियोजन एवं क्रियान्वयन

2. संयुक्त राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (UNICEF):- यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है | यह संगठन राष्ट्र संघ की एक विशिष्ट शाखा है | इसकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 11 दिसंबर 1946 को हुई थी |

यूनिसेफ का उद्देश्य:- यूनिसेफ का मुख्य उद्देश्य उन देशों को आर्थिक सहायता एवं सहयोग देना जो मातृ एवं शिशु रोग के निवारणार्थ तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष शील है |

यूनिसेफ दक्षिण अफ्रीका में कुपोषण के सभी रूपों को संबोधित करने के लिए कार्य करता है एवं इन्हें होने से पहले ही रोक देता है | इसके लिए चिकित्सा योजना और दवा उपलब्ध करवा रहा है |

यूनिसेफ दक्षिण अफ्रीका में बच्चो की सुरक्षा और उन्हें प्रथमिकता देने के लिए एक घोषना पत्र जारी किया है | इस घोषणा पत्र में सरकार, निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, नागरिक समाज और युवाओं से आहावान किया है कि व बच्चों की सुरक्षा और उन्हें प्राथमिकता देने के प्रयासों में शामिल हो |

इंडोनेशिया में यूनीसेफ ने शिक्षा, खाद्य सुरक्षा हेतु सार्वभोमिक पहुंच प्रदान करने में महत्तवपूर्ण योगदान दिया है |

यूनिसेफ ग्लोबल साउथ के देशों में मातृ व शिशु रोग के उन्मूलन, बाल स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण स्वास्थ्य एवं स्वच्छता ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति, स्वास्थ्य केन्द्रों, स्वास्थ्य शिक्षा आदि के लिए कई कार्यक्रमों को चलाने में सहयोग देता है |

3. खाद एवं कृषि संगठन (FAO):- इसकी स्थापना 1945 ई में हुई | इसका मुख्यालय रोम में है | इसके मुख्य कार्य हैं विश्व भर में खाद्य पदार्थों के उत्पादन से संबंधित आंकड़ों को एकत्रित करना ताकि संपूर्ण विश्व में खाधान की स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सके | यह संगठन WHO के साथ मिलकर "सभी के लिए स्वास्थ्य" प्राप्ति के लिए कार्य कर रहा है |

उद्देश्य- विश्व का बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओ की पूर्ति हेतु खाद्य पदार्थों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करना ताकि सभी लोगों को खाने के लिए अनाज, दाल, दूध आदि मिल सके |

कार्य-

1. सभी देशों के पोषण स्तर में अपेक्षित सुधार करना |
2. ग्रामीणो के पोषण स्थिति में सुधार लाना।
3. जनता में पोषण शिक्षा का प्रसार करना |
4. कृषि, मछली पालन, मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन तथा वन संपदा को बढ़ावा देना |
5. शिशु एवं माताओ के पोषण स्तर को सुधरने में सहयोग करना |

4. अन्य

- **महिला एवं बाल कल्याण में इंडोनेशिया की भूमिका :-**

इंडोनेशिया में पिछले दो दशकों में लैंगिंग अंतर को कम करने में सफलता हासिल की है | इंडोनेशिया में समुदाय में बनी बुनियादी सेवाएं लागू करने जैसे शिक्षा, स्वास्थ, सार्वजनिक कार्य, आवास समुदायिक सुरक्षा और सामाजिक मामले आदि |

- महिला सशक्तिकरण और बाल सरक्षण जैसी गैर बून्यादि सेवाओं का लागू करना।
- इंडोनेशिया में महिला सशक्तिकरण और बाल सरक्षण मंत्रालय ने महिला श्रम शक्ति भागीदारी को बढ़ाने के लिए नीतियां बनाई है | इन नीतियों में बाल देखभाल प्रावधान शामिल है |
- इंडोनेशिया ने इंटरनेट पर पोर्नोग्राफी से बच्चों के सुरक्षा के लिए कानून बनाए हैं| तंबाकू और शराब उत्पादन के विज्ञापन और रोक लगाकर बच्चों को हानिकारक संपर्क में आने से रोकने हेतु कदम उठाए हैं |

- **महिला एवं बाल कल्याण में अफ्रीका की भूमिका :-**

- अफ्रीका में बाल कल्याण से जुड़ी रिपोर्ट देने के लिए अफ्रीकी बाल नीति फोरम एक परियोजना "बाल कल्याण पर अफ्रीकी रिपोर्ट श्रृंखला" चलता है | यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार सम्मेलन और बाल अधिकार और कल्याण पर अफ्रीकी चार्टर के सिद्धांतों और आदर्शों को हासिल करने में मदद करती है|
- WEADA एक महिला नेतृत्व वाला संगठन है | जिसकी स्थापना 2015 में कैमरून के याउंड में की गई थी | इसका उद्देश्य महिला कल्याण है |

- **महिला एवं बाल कल्याण में दक्षिणी अफ्रीका की भूमिका**

- दक्षिणी अफ्रीका का प्लान इंटरनेशनल क्षेत्र 17 देश में बच्चों खासकर लड़कियों और युवाओं के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का जवाब देने के लिए काम करता है | जैसे :-

1. हिंसा से सुरक्षा
2. यौन प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार
3. युवा रोजगार और सशक्तिकरण के लिए कौशल और अवसर
4. समावेशी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5. आपातकालीन प्रतिक्रिया

- **महिला एवं बाल कल्याण में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन की भूमिका**

- संयुक्त राष्ट्र महिला यूएनएफपीए और यूनिसेफ ने मिलकर लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में एक कार्यक्रम शुरू किया है | इसका उद्देश्य है 2030 तक व्यस्क होने वाली लड़कियों को अपने विकास के अवसर मिले | इसके तहत लड़कियों के लिए विकल्प बढ़ाने, शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक समावेश के लिए कार्य किये जा रहे हैं |
- USAID आपदा प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी के लिए मानवीय सहायता प्रदान करता है | यह महिलाओ, बच्चों और अन्य समूह के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता, सीखने और मनोरंजन के अवसर, केस प्रबंधन और रेफरल सेवा भी देता है |

निष्कर्ष

भारत एवं विश्व में महिला एंव बाल कल्याण हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये गये और अनेक प्रयास किये गये है। वर्तमान में महिलाओं और बालकों की स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। सामाजिक सतर पर भी कुछ समाज सुधारकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्व खादय सुरक्षा और पोषण की स्थिति पर 2024 की रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र की पाँच विशिष्ट एजैसियों FAO, IFAD, UNICEF, WFP और WHO द्वारा तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट का मुख्य विषय भूख्, खाद्य असुरक्षा और सभी प्रकार के कुपोषण को समाप्त करने के लिए वित पोषण पर केन्द्रित है | इस प्रकार से राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत एवं ग्लोबल साउथ में महिला एवं बाल कल्याण हेतु अथक प्रयास किये जा रहे है। जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को प्राप्त हुआ है |

REFERENCES

1. डॉ. वृन्दा सिंह - प्रसार शिक्षा, संस्करण: नवा (2024)
प्रकाशन – पंचशील (जयपुर) पृ.सं. 642-666
2. डॉ. सिंह राजबाला – मानवाधिकार एवं महिलाये, पब्लिकेशन अविष्कार पब्लिकेशन (जयपुर)
3. परासर, रामदेव (1998) "बदलते परिवेश में महिला ग्रामीण विकास कार्यक्रम योजना" |
4. डॉ. एम्.एम्. लवानिया – शशि के. जैन-भारतीय महिलाओ का समाजशास्त्र रिसर्च पब्लिकेशन नयी दिल्ली, जयपुर |
5. सिंह प्रभाकर "ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एवं बाल स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमों का मूल्याकन (शोध) महात्मागांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
6. चौधरी, रेणुका (2006), बाल विकास - आई.सी.डी.एस. बाल विकास के प्रति वचनबद्धता, योजना, 50(8) पृ.सं. 5-8 ।
7. ग्रामीण विकास विभाग, रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
8. महिला एवं बाल विकास विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
9. इन्टरनेट संचार माध्यम ।